भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2318

21 दिसंबर, 2022 को उत्तर के लिए

एनएमडीसी

2318. श्रीमती सुप्रिया सदानंद सुले:
डॉ. डी.एन.वी. सेंथिलकुमार एस.:
श्री सुनील दत्तात्रेय तटकरे:
डॉ. सुभाष रामराव भामरे:
डॉ. अमोल रामसिंह कोल्हे:
श्री कुलदीप राय शर्मा:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या एनएमडीसी ने अपनी स्थापना के उद्देश्य को प्राप्त कर लिया है;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और एनएमडीसी की स्थापना के समय से अब तक सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम के रूप में इसका क्या योगदान है;

(ग) क्या एनएमडीसी ने देश के विभिन्न खनिज समृद्ध राज्यों में अपनी इकाइयाँ स्थापित की हैं;

(घ) यदि हाँ, तो विगत तीन वर्षों में से प्रत्येक वर्ष और वर्तमान वर्ष के दौरान एनएमडीसी द्वारा अर्जित किए गए कुल राजस्व सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या निर्धारित लक्ष्यों और प्राप्त किए गए वास्तविक लक्ष्यों की तुलना में हाल के वर्षों के दौरान एनएमडीसी की मौजूदा खनन क्षमता में कमी आई है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा एनएमडीसी द्वारा अपने खनन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए क्या सुधारात्मक उपाय किए जा रहे हैं; और

(च) क्या एनएमडीसी में निविदा प्रदान करने में अनियमितताओं की घटनाएं सामने आई हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इन अनियमितताओं के संबंध में क्या कार्रवाई की गई है?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री (श्री फग्गन सिंह कुलस्ते)

(क) और (ख): एनएमडीसी को खनिजों की गवेषणा तथा दोहन के उद्देश्य से 1958 में निगमित किया गया था। स्थापना के बाद से, एनएमडीसी देश के खनिज संसाधन के भंडार में वृद्धि के उद्देश्य से लौह अयस्क, तांबा, रॉक फास्फेट, लाइमस्टोन, डोलोमाइट, जिप्सम, बेंटोनाइट, मैग्नेसाइट, डायमंड, टिन, टंगस्टन, ग्रेफाइट, बीच सैंड आदि जैसे विभिन्न प्रकार के खनिजों की गवेषणा में संलग्न था। वर्ष 1969-70 में 4 मिलियन टन लौह अयस्क के उत्पादन से शुरू करके एनएमडीसी ने निरंतर विकास

किया है और वित्त वर्ष 2021-22 में 42.15 एमटी का उत्पादन किया है। एनएमडीसी के पास पन्ना में एक हीरे की खदान है, जो 84,000 कैरेट की क्षमता वाली एशिया की एकमात्र मशीनीकृत हीरा खदान है।

एनएमडीसी को लोक उद्यम विभाग, भारत सरकार द्वारा 1998 में मिनी रत्न तथा 2008 में नवरत्न का दर्जा प्रदान किया गया था। एनएमडीसी ने अभी तक सरकार को लाभांश के रूप में 27,000 करोड़ रुपए का भुगतान किया है। कंपनी का निष्पादन निरंतर आधार पर बहुत अच्छा और एमओयू के मानकों से ऊपर रहा है।

(ग) और (घ): एनएमडीसी ने निम्नलिखित राज्यों में अपनी इकाइयां स्थापित की हैं:-

i. छत्तीसगढ़
ii. कर्नाटक
iii. मध्य प्रदेश
iv. आंध्र प्रदेश

पिछले तीन वर्षों तथा चालू वर्ष के दौरान एनएमडीसी द्वारा अर्जित राज्य-वार राजस्व निम्नानुसार है:

(करोड़ रु. में)

राज्य	**2019-20**	**2020-21**	**2021-22**	**2022-23 (अप्रैल-सितंबर '22)**
छत्तीसगढ़	9,407	12,682	20,014	6,339
कर्नाटक	2,253	2,667	5,804	1,756
मध्य प्रदेश	34	21	63	-
तेलंगाना	5	-	1	1
कुल	**11,699**	**15,370**	**25,882**	**8,096**

(ङ): हाल के वर्षों में एनएमडीसी की खनन क्षमता में कोई कमी नहीं आई है, जिसे नीचे दी गई तालिका में देखा जा सकता है:-

(एमटीपीए में)

वित्त वर्ष	**खनन क्षमता**	**लक्षित लौह अयस्क का उत्पादन**
2019-20	51.8	31.49
2020-21	51.8	34.15
2021-22	51.8	42.19

(च): विगत कुछ समय में एनएमडीसी में निविदा जारी किए जाने में केवल एक शिकायत, जिसकी जाँच की जा रही है, को छोड़कर कोई अनियमितता सूचित नहीं की गई है।

****